क्रिकेट विश्व कप, क्रिकेट विश्व कप 2011 भारत

क्रिकेट विश्व कप, क्रिकेट विश्व कप 2011 भारत

भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने रन चेस के साथ श्रीलंका को हराकर विश्व कप जीत लिया। भारतीय टीम, वर्ष 1996 में जब श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराया था, उसके बाद से फाइनल में सेकेंड बैटिंग कर जीतने वाली टीम बन गई ।

खेल के आरंभ में मलिंगा ने वीरेंद्र सहवाग को दूसरी गेंद पर जीरो पर एलबीडबल्यू और 18 रन पर तेंदुलकर को आउट किया लेकिन गंभीर और

विराट कोहली (35) ने मिल कर 82 रन की साझेदारी कर पारी को दुबारा जमाया जिसने कुछ समय के लिए श्रीलंका के खिलाड़ियों की गति को रोक दिया।

धोनी इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए 114-3 पर ले आए जैसा उन जैसे कप्तान से अपेक्षित था। धोनी और गंभीर ने संयुक्त रूप से 118 गेंद खेलीं जब तिसारा परेरा ने मैच की पहली शतकीय साझेदारी समाप्त कर दी। अब भारत को छह विकेट के साथ 52 गेंद में 52 रन की जरूरत थी । युवराज सिंह बल्ले और गेंद के साथ अपने योगदान के लिए टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने और धोनी के साथ मिल कर दबाव में आए बिना 21 पर नॉटआउट रहे। धोनी ने नाबाद 91 रन बनाए और श्रीलंका के 274-6 के लक्ष्य का पीछा करते हुए गौतम गंभीर (97) के साथ 109 रन की साझी पारी खेलते हुए एक शानदार छक्का लगा कर भारत को श्रीलंका पर छह विकेट से जीत दिलाई।